



आरत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

44

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 237]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जून 3, 1994/ज्येष्ठ 13, 1916

No. 237]

NEW DELHI, FRIDAY, JUNE 3, 1994/JYAISTHA 13, 1916

वित्त मंत्रालय

(राजसत्र विभाग)

प्रधिमूल्यना

नई दिल्ली, 3 जून, 1994

सं. 126-सीमानुल्क/94

सं. का. नि. 488 (अ)।—केन्द्रीय सरकार, सीमानुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) को धारा 25 को उपर्याप्त (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा करना आवश्यक है, इस प्रधिमूल्यना के उपांच्च 1 में विनियिष्ट माल को (जिनमें इसके पश्चात् माल कहा गया है) जब उसका भारत के बाहर नियांत्र के लिए उपांच्च 2 में विनियिष्ट वस्तुओं को उत्पादन या विनियांत्र के लिए या भारत सरकार के पूर्ववर्ती उपयोग और नागरिक पूर्व संकान्त (ओरिगिनल विकास विभाग) की प्रधिमूल्यना सं. का. आ 163 (अ) आर.एल.आई.यू. 10(2) 76, सारीख 3 मार्च, 1976 द्वारा नियुक्त वर्तविनियात नियंत्रोन्मुख उपकरणों के लिए अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमोदित शतप्रतिशत नियंत्रोन्मुख उपकरणों द्वारा भारत के बाहर नियांत्र के लिए उपांच्च 2 में विनियिष्ट उक्त वस्तुओं के उत्पादन, विनियांत्र या ऐकेजिंग के पूर्वांच्च में (जिसमें इसके पश्चात् विनियिष्ट प्रयोजन कहा गया है) उपयोग किए जाने के लिए आयात किया जाए, सीमानुल्क टैरिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की पहली अनुमूल्कों के अधीन उन पर उद्यग्वर्णीय संपूर्ण सीमा-शुल्क और द्वितीय उल्लिखित अधिनियम की धारा 3 के अधीन उन पर उद्यग्वर्णीय अतिरिक्त शुल्क, यदि कोई है, के निम्नलिखित शर्तों के अधीन रहते हुए छूट देती है, अपेक्षा—

(1) आयातकर्ता को उक्त माल के आयात के लिए आवश्यक मनुक्ति प्रदान की गई हो;

(2) आयातकर्ता उक्त माल का आयात करने के समय, विकास अनुकूल से इस आयात का एक प्रमाणपत्र सीमानुल्क सहायक कलक्टर को प्रस्तुत करता है कि आयातकर्ता ने, ऐसे प्राप्त और ऐसी राशि के लिए, जो विनियिष्ट की जाए;—

(क) उक्त माल को अपने एक में लाये और उनका विनियिष्ट प्रयोजन के लिए उपयोग करते; और

(ख) उक्त माल का या एक में उत्पादित, विनियिष्ट या ऐक की गई वस्तुओं का या ऐसे उत्पादन, विनियांत्र या ऐकेजिंग से उत्पन्न होने वाले प्रतियांत्र, स्कैप या अविलिप्त का, ऐसी रीति से, यदि कोई हो आयात-नियांत्र नीति और इस प्रधिमूल्यना में विहित की जाए, व्यय करने के लिए सब्द को आवश्यक करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित कर दिया है;

(3) आयातकर्ता, उक्त माल का आयात करने के समय, सीमा शुल्क सहायक कलक्टर के समान स्वयं को इस बात के लिए आवश्यक करते हुए एक बंधपत्र निष्पादित करता है कि वह उसके एक पर प्रधिकारिता रखते वाले केंद्रीय उत्पाद-शुल्क सहायक कलक्टर से एक में उक्त माल की प्राप्ति और माल को इस प्रयोजन के लिए विहित अधिलेखों में दर्ज किए जाने को प्रमाणित करते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा;

(4) आयातकर्ता माल का उपयोग वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के लिए करता है और शत प्रतिशत या ऐसे अन्य प्रतिशत का, जो उक्त अनुमोदन बोर्ड नियत करें, 10 वर्ष की या ऐसे बड़ाई गई प्रविधि के लिए, जो उक्त योर्ड द्वारा विनिर्दिष्ट की जाए, भारत से बाहर नियत करता है;

(5) आयातकर्ता उक्त माल के आयात उपभोग और उपयोग का तात्पुर उक्त के द्वारा किए गए नियत का समुचित लेखा रखेगा, और ऐसा लेखा कालिकत विकास आयुक्त को ऐसे प्रक्रम में और ऐसी रूपी में, जो उक्त विकास आयुक्त द्वारा प्रधिकृत की जाए, प्रस्तुत करेगा;

(6) सीमाशुल्क सदायक कनक्टर, ऐसी शर्तों और परिसीमाओं के वर्तीन द्वारा जो उक्त द्वारा अधिरोपित की जाए, और आयात-नियत द्वारा जो आयात के प्रयोग रही हुए—

(क) किसी एक को उक्त माल का पुनर्नियत करने की अनुमति दे सकेगा;

(ख) उक्त माल या एक ही में उत्पादित, विनिर्मित या पैक किए गए माल को शुल्क का संदाय किए बिना अस्थायी कर से मरम्मत प्रस्तुकरण, परीक्षण या प्रदर्शन के लिए बाहर ले जाने और उक्ते पश्चात् एक में वापस लाने की अनुमति दे सकेगा; और

(ग) उक्त माल या उत्पादित, विनिर्मित या पैक किए गए माल का, उन एक ही से हिस्सी अन्य शत प्रतिशत नियतोन्मुख उपयोग या किसी प्रांचण जौन या सुख आपार जौन में किसी एक को शुल्क का संदाय किए बिना प्रदाय/ खंडण करों की अनुमति दे सकेगा।

2. इन अधिकूचता में किसी अन्य उपवंशों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना, जहाँ सीमाशुल्क सदायक कनक्टर के समाधानप्रद रूप में यह वर्णित किया गया है कि उक्त एक को उक्त माल में से किसी को भारत में किसी अन्य स्थान को ले जाने के लिए नियत-आयात नीति के अनुसार विकास आयुक्त द्वारा अनुमोदन बोर्ड द्वारा अनुमति दी गयी है, वहाँ—

(क) पूँजी माल और कार्यालय उपस्कर की ऐसी निवासी ऐसे माल पर उद्यग्हणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम का उनके अवधायित मूल्य पर और ऐसे शुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त वर से संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी;

(ख) खंड (क) में विनिर्दिष्ट माल से भिन्न माल (जिनके अंतर्गत बार-बार उपयोग के लिए उपयुक्त आधान भी हैं) की ऐसी निकासी, सीमा शुल्क का आयात के समय मूल्य पर और ऐसे सीमाशुल्क के संदाय की तारीख को प्रवृत्त वर से संदाय किए जाने पर अनुज्ञात की जा सकेगी;

(ग) उपयोग की गई पैकिंग सामग्री ऐसे कि बार बार उपयोग के लिए अनुपयुक्त गते के डिव्हॉ, पालियन थैलों की ऐसी निकासी सीमाशुल्क का संदाय किए बिना अनुज्ञात की जा सकेगी:

परन्तु आयातकर्ता सीमा शुल्क टैरिक अधिनियम, 1975 (1975 का 51) को पहली अनुसूची के शोर्ट 98.01 के अंतर्गत आने वाले माल को लागू छूट का, या नियत और आयात नीति या किन्हीं अन्य नियत संवर्धन स्कीमों के तिबंधनों के अनुसार नियत संवर्धन पूँजी माल (नि.सं.पू. मा) स्कीम के अधीन माल को लागू छूट का उपयोग करने का पात्र नहीं होगा।

स्पष्टीकरण — खंड (क) के अंतर्गत आने वाले माल की बाबत अवधायण एकक के वागिजिक उत्पादन के प्रारम्भ की तारीख से या जहाँ ऐसे माल का आयात, ऐसे प्रारंभ के पश्चात् किया गया है वहा उस तारीख से, जब ऐसे माल को वागिजिक उत्पादन के लिए उपयोग में लाया गया है, शुक्र के संदाय को तारीख तक की अवधि के लिए अनुज्ञात किया जाएगा।

3. इस अधिसूचना में किसी बात के होते हुए भी, इसमें अंतर्विष्ट छूट उक्त माल को भी लागू होगी जिनका भारत में आयात किए जाने पर वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के प्रयोजनों के लिए उपयोग किया जाता और ऐसो वस्तुओं (जिनके अंतर्गत ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के दोरान उत्पन्न होने वालों प्रतिक्षेपित अपशिष्ट और स्कैप सामग्री भी है) का, यद्यपि उनका भारत से बाहर नियत नहीं किया जाता है, आयात-नियत नीति के अधीन और उसके अनुसार तथा ऐसी मात्रा में और ऐसी अन्य परिसीमाओं और शर्तों के अधीन रहते हुए, जो विकास आयुक्त द्वारा इस नियत विनिर्दिष्ट की जाए, केन्द्रीय उत्पादशुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) को भारत 3 के अधीन उन पर उद्यग्हणीय उत्पाद शुल्क का संदाय किए जाने पर या जहाँ ऐसी अस्तुए (जिनके अंतर्गत प्रतिक्षेपित, अपशिष्ट और स्कैप सामग्री भी है) उत्पाद शुल्क पर नहीं हैं, वहाँ ऐसी वस्तुओं के उत्पादन, विनिर्माण या पैकेजिंग के प्रयोजन के लिए उपयोग किए गए उक्त माल पर सीमाशुल्क का, ऐसी वस्तुओं पर, मानो उनका उस रूप में आयात किया गया हो, उद्यग्हणीय सीमाशुल्क के बराबर रकम में संदाय किए जाने पर भारत में विक्रय किए जाने के लिए अनुज्ञात किया जाता है।

स्पष्टीकरण — इस अधिसूचना के प्रयोजनों के लिए “आयात-नियत नीति” से वागिज्य मंतालय की लोक सूचना सं. 1-प्राई टी सी (पी एन) 92-97 तारीख 31-3-1992 के अधीन प्रकाशित समय समय पर यथासंशोधित आयात-नियत नीति प्रैल, 1992, मार्च 1997 अभिप्रेत है।

उपांत्ति 1

- पादप-गृह उपस्कर, उत्तराखण्ड, तापित एटिंग टैक्स, प्रजनन विभिन्न।
- जो दो वर्षों तक वारा, शोत्र, वायरुत, काइ, जाकर्टा, गांडिगार मूल, जड़, कटिंग, सभी प्रकार के करम, टिगु मंड़वंक सामग्री, और बुमाई या रोपण के लिए उपयोग की गई अन्य कार्यक रूप से प्रबंधित सामग्री।
- भीड़ों से मिस्र जीवित पशु, जैसे कि प्रजनन या पालने के प्रयोजनों के लिए उपयोग किए गए शुद्ध वंगाकर पशुवत (जो चेंड वेंड पशुवत और वेंड पशुवत से मिलते हैं)।
- गोदा रिंगिंग, जैसे कि पोट मात्र (जिनके अंतर्गत पोट जिन्हें भी हैं) (वह संरक्षित हो या नहीं), पलीट/कृमिलता, राकृत, कोनो पोट, हाइड्रोकार्बन, फोम आर्थिक मिलियम और अन्य कृति साधन।
- कार्यालय उत्तराखण्ड और भारतप्रतिष्ठान निर्यातीमुद्ध एकक वारा आवाहन के लिए अनुमति है।
- पूर्वी और पश्चिम उत्तराखण्ड, के सिए उत्तरक और रक्षावान, जैसे कि माइको पोट, पाइर और विकास रेफ्लेटर तथा पादप पोषण, कीटनाशक, फंक्शनाशी, अवृत्तनाशी, शक्तनाशी के लिए उपयोग किए गए अन्य कार्बनिक और अन्यार्थिक पदार्थ, तथा इसी प्रकार की जीं।
- पशु वायर, जैसे कि पशु वायर और कुंचुड़ वायर।
- पशुविकास अधिकारी, जिनके अंतर्गत वैश्वीन भी हैं।
- पेनिंग सामग्री, जिनके अंतर्गत पेनिंग के लिए मायोरी और उत्तराखण्ड भी हैं।

उपांत्ति 2

- प्रधान 1 के अंतर्गत भ्राष्ट वायर जीवित पशु।
- जोर्ड 04.07 के लियोन्सहित पश्चो के अंते (ताजे)।
- प्रधाय 6 के जीवित वश और प्रध्य पीड़ि, शल्कांश, जड़ों जोड़ इसी प्रकार को जोड़, कटे गए फूल और अलंकृत पर्ण समूह।
- जोर्ड 7.01 से 7.09 को ताजी बनस्तिशी, जोर्ड 7.12 और 7.13 को सामूह बिना कड़ी हुई धूप में सुखाई हुई बनस्तिशी जोर्ड 7.14 को ताजी और बिना कड़ी हुई धूप में सुखाई हुई जड़े और कंद।
- जोर्ड 8.01 से 8.10 के ताजे और बिना कटे हुए/गुण में सुखाए गए खायक और दृक्षक।
- जोर्ड 12.11 के ताजे या धूप में सुखाए गए पीड़ि और पीड़ि के भाग।
- जोर्ड 50.02 का रेसम कोट कोक्म और जोर्ड 50.02 का कच्चा रेसम।

टिप्पणी—उपांत्ति में निर्दिष्ट प्रधाय और जोर्ड वे हैं जो सीमानुकूल दैरिक अधिनियम 1975 (1975 का 51) को पहली अनुसन्धान में हैं।

[फा. स. 305/26/94-एफ.टो.टॉ.०]

ज० वी० सिंह, भ्राष्ट अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATION

New Delhi, the 3rd June, 1994

NO. 126-CUSTOMS/94

G.S.R. 488(E).—In exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of Section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts goods specified in Annexure-I to this notification (hereinafter referred to as the goods), when imported into India, for the production or manufacture of articles specified in Annexure II for export out of India or for being used in connection with the production, manufacture or packaging of the said articles specified in Annexure-II for export out of India (hereinafter referred to as the specified purpose) by hundred per cent export oriented undertakings approved by the Board of Approvals for hundred per cent Export Oriented Undertakings, appointed by the notification of the Government of India in the former Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Industrial Development) No. S.O. 163(E)/RLIU/10(2)76, dated the 3rd March, 1976, from the whole of the duty of customs leviable thereon under the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and the additional duty, if any, leviable thereon under Section 3 of the second mentioned Act, subject to the following conditions, namely :—

- (1) the importer has been granted the necessary licence for the import of the said goods;
- (2) the importer, at the time of import of the said goods, produces to the Assistant Collector of Customs a certificate from the Development Commissioner to the effect that the importer has executed a bond in such form and for such sum as may be prescribed binding himself—
 - (a) to bring the said goods into his unit and to use them for the specified purpose; and

(b) to dispose of the said goods or the articles produced, manufactured or packaged in the unit or the waste, scrap or remanents arising out of such production, manufacture or packaging in the manner as may, if any, be prescribed in the Export Import Policy and in this notification;

(3) the importer, at the time of import of the said goods, executes a bond with the Assistant Collector of Customs binding himself to produce a certificate from the Assistant Collector of Central Excise having jurisdiction over his unit certifying the receipt of the said goods in the unit and the goods having been entered in the records prescribed for this purpose;

(4) the importer uses the goods for the production, manufacture or packaging of articles and exports out of India hundred per cent or such other percentage, as may be fixed by the said Board of Approvals for a period of 10 years or such extended period as may be specified by the said Board;

(5) the importer shall maintain a proper account of import, consumption and utilisation of the said goods and of exports made by him, and shall submit such account periodically to the Development Commissioner in such form and in such manner as may be laid down by the said Development Commissioner ;

(6) the Assistant Collector of Customs may, subject to such conditions and limitations as may be imposed by him and subject to the provisions of the Export Import Policy:—

- (a) allow a unit to re-export the said goods ;
- (b) permit the said goods or goods produced, manufactured or packaged in the unit to be taken out temporarily without payment of duty for repairs, processing, testing or display and to be returned to the unit thereafter ; and
- (c) permit the said goods or goods produced, manufactured or packaged to be supplied/transferred without payment of duty from the unit to another hundred percent Export Oriented Undertaking or to a unit in an Export Processing Zone or a Free Trade Zone.

2. Without prejudice to any other provisions contained in this notification, where it is shown to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs that the said unit has been allowed by the Development Commissioner or the Board of Approvals in accordance with the Export Import Policy to clear any of the said goods for being taken to any other place in India,—

- (a) such clearance of capital goods and office equipments may be allowed on payment of an amount equal to the customs duty leviable on such goods on the depreciated value thereof and at the rate in force on the date of payment of such duty ;
- (b) such clearance of goods (including containers suitable for repeated use) other than those specified in clause (a), may be allowed on payment of customs duty on the value at the time of import and at rates in force on the date of payment of such customs duty ;
- (c) such clearance of used packing materials such as cardboard boxes, polythene bags of a kind unsuitable for repeated use may be allowed without payment of any customs duty.

Provided that the importer shall not be eligible to avail of the exemption applicable to goods falling under heading 98.01 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (59 of 1975), or the exemption available to goods imported under the Export Promotion Capital Goods (RPCG) Scheme in terms of the Export and Import Policy or any other Export Promotion Schemes.

Explanation.—The depreciation in respect of goods covered by clause (a) shall be allowed for the period from the date of commencement of commercial production of the unit or where such goods have been imported after such commencement from the date such goods have come into use for commercial production, upto the date of payment of duty.

3. Notwithstanding anything contained in this notification the exemption contained herein shall also apply to the said goods which on importation into India are used for the purposes of production, manufacture or packaging of articles and such articles (including rejects, waste and scrap material arising in the course of production, manufacture or packaging of such articles) even if not exported out of India are allowed to be sold in India under and in accordance with the Export-Import Policy and in such quantity and subject to such other limitations and conditions as may be specified in this behalf by the Development Commissioner, on payment of duty of excise

leviable thereon under section 3 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944) or where such articles (including rejects, waste and scrap material) are not excisable, on payment of customs duty on the said goods used for the purpose of production, manufacture or packaging of such articles in an amount equal to the customs duty leviable on such articles as if imported as such.

Explanation.—For the purposes of this notification, “Export-Import Policy” mean the Export-Import Policy, April, 1992—March, 1997, published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 1-ITC(PN)92-97, dated 31-3-1992 as amended from time to time.

ANNEXURE-I

1. Green house equipment, accessories, heated rooting tables, propagation trays, seeding machines.
2. Plants or parts thereof, seeds, saplings, tubers, bulbs, Rhizomes, roots, cuttings, all types of grafts, tissue culture material, and other vegetatively propagated material utilised for sowing or planting.
3. Live animals such as pure live stocks (other than grand parent stock and parent stock), used for breeding or rearing purposes, other than horses.
4. Growing media such as Peat Moss (including peat litres) (whether or not agglomerated), Pearlite|Vermiculate, Rockwool, Cocoa peat, Hydrocorn, Foam based medium and other cultivation medium.
5. Office equipments as permissible for import by the 100 per cent export oriented unit.
6. Fertilizers and chemicals for pre and post harvest treatments such as micro nutrients plant and growth regulators

and other organic and inorganic substances used for plant nutrition, insecticides, fungicides, weedicides, herbicides, and the like.

7. Animal feed such as cattle feed and poultry feed.
8. Veterinary medicines including vaccines.
9. Packaging materials including machinery and equipment for packaging.

ANNEXURE-II

1. Live animals falling under Chapter-1.
2. Bird's eggs (fresh) in shells of Heading 04.07.
3. Live trees and other plants; bulbs, roots and the like, cut flowers and ornamental foliage of Chapter-6.
4. Fresh vegetables of Headings 7.01 to 7.09; whole uncut sun dried vegetables of Headings 7.12 and 7.13; Fresh and uncut|sun dried roots and tubers of Heading 7.14.
5. Fresh and uncut|sun dried edible fruits and nuts of Headings 8.01 to 8.10.
6. Fresh or sun dried plants and parts of plants of heading 12.11.
7. Silk worm cocoons of Heading 50.01 and raw silk of heading 50.02.

Note.—The Chapters and Headings referred to in the Annexure are those of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975).

[F. No. 305/26/94-FTT]

J. P. SINGH, Under Secy.

